ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

कैसे सम्भव प्रेम से

हम तो जुड़े जमीन से, वो छूएँ आकाश ।
हमसे तोड़े ना गये, माँ- ममता के पाश ।।-1

फूल खिले जब प्रेम के, महक उठे जज्बात ।
मन पगलाया मिलन को, दिन देखे ना रात ।।-2

हम उनके ना हो सके, जिनका था अरमान ।
सपनों के तन पर मिले, जलते हुए निशान ।।-3

झूठा है मक्कार है, इस युग का इन्सान ।
छोटे से सुख के लिये, बन जाता शैतान ।।-4

उसने चाही रौनकें, मैंने चाहा प्यार ।
दिनकर संग कैसे निशा, होती एकाकार ।।-5

कौन किसी के दर्द में, अब हो साझीदार ।
सुखी दिनों में ही 'लता', उमड़े सबका प्यार ।।-6

शर्म लाज तजकर कहें, माँ को रुचता गाँव ।
अब घर को मुड़ते नहीं, वे दो शहरी पाँव ।।-7

सूने पथ पर बैठकर, माता तकती राह ।
बेटों की जाती नहीं, उस पथ कभी निगाह ।।-8

बात-बात में खड़ग पर, जाये जिनका हाथ ।
कैसे सम्भव प्रेम से, रहना उनके साथ ।।-9

लोभ, मोह, मद, वासना, निकल सभी से दूर ।
मन माधव के पास था, आनन्द से भरपूर ।।-10

सदा दूसरों पर रहे, जिसका सारा ध्यान ।
अपनी क्षमता को कहाँ, पाये वह पहचान ।।-11

सरपंची की भूख ने, ऐसा किया हलाल ।
लेकर कर्ज लुटा रहा, मदिरालय में माल ।।-12

आशा खत्री 'लता'
जन्म : 26 नवम्बर 1963 को गाँव खरावड़, जिला रोहतक, हरियाणा के एक किसान परिवार में
माता-पिता : श्रीमती अजीत कौर एवं स्व. श्री मदन मोहन मलिक
शिक्षा: हिंदी में स्नातकोत्तर, बी. एड., सी.ए.आई.आई.बी.
सम्प्रतिः सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक में वरिष्ठ प्रबन्धक
पिछले 30 वर्षों से प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में सतत लघुकथाएँ, कहानियां, कविताएं, व्यंग्य एवम् सामयिक विषयों पर लेखों का प्रकाशन ।
अनेक सामूहिक संकलनों में रचनाएँ प्रकाशन के अतिरिक्त अब तक दोहा, गीत, कहानी, बाल कविता, उपन्यास की 12 पुस्तकें प्रकाशित ।
सम्मान;-
* लघुकथा संग्रह 'काली चिड़िया' को हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2019 के लिए कहानी विधा में सर्वश्रेष्ठ कृति पुरस्कार ।
* हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2021 के लिए विशेष हिंदी सेवी सम्मान (रुपये एक लाख) ।
*उदयकरण स्मृति साहित्य समान सिरसा
* कैथल साहित्य सभा द्वारा सम्मानित
* लघुकथा एवं लघुकविता सम्मान
अन्य कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित ।

पता-
2527, सेक्टर- 1, रोहतक
पिनकोड - 124001, हरियाणा
मोबाइल नम्बर - 8295951677
ईमेल - asha41424@gmail.com